BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

भारतीय खेतों से वैश्विक बाज़ारों तक: कृषि निर्यात में आई तेज़ी

20 नवंबर 2026

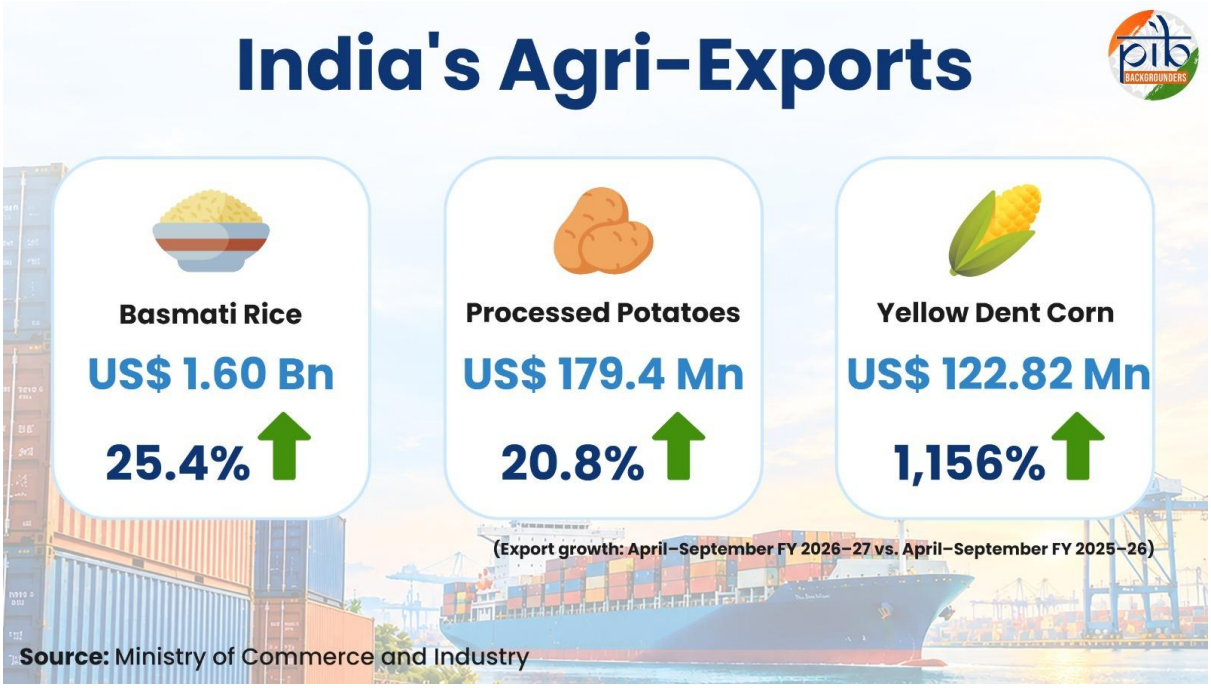
भारत के कृषि निर्यात में वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इस वृद्धि में बासमती चावल, प्रसंस्कृत जमे हुए आलू और पीले डेंट कॉर्न का प्रमुख योगदान रहा। बासमती चावल के निर्यात में 25.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि प्रसंस्कृत आलू के निर्यात में 20.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पीले डेंट कॉर्न के निर्यात में लगभग 12 गुना वृद्धि हुई। पश्चिम एशिया, पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात में हुई मजबूत वृद्धि भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात के बढ़ते भौगोलिक विस्तार को दर्शाती है।

परिचय

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान भारत के कृषि निर्यात में प्रमुख उत्पादों के मामले में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान बासमती चावल, तैयार या संरक्षित जमे हुए आलू और पीले डेंट कॉर्न के निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। यह प्रदर्शन पारंपरिक बाजारों में बढ़ती मांग, नए बाजारों में तेजी से हो रही वृद्धि और भारत के कृषि निर्यात के बढ़ते भौगोलिक विविधीकरण के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

बासमती चावल के निर्यात में पश्चिम एशिया के कई बाजारों में वृद्धि दर्ज की गई, जिनमें **ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यमन और ओमान** शामिल हैं। इस अवधि के दौरान **संयुक्त राज्य अमेरिका** में भी निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, प्रसंस्कृत आलू के निर्यात में **पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया, विशेष रूप से इंडोनेशिया और जापान** में तेजी आई।

पीले डेंट कॉर्न के निर्यात में विशेष रूप से तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें **वियतनाम, बांग्लादेश और फिलीपींस** प्रमुख गंतव्य बाजार बनकर उभरे। इन कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि भारत के निर्यात के बढ़ते भौगोलिक विस्तार और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है।



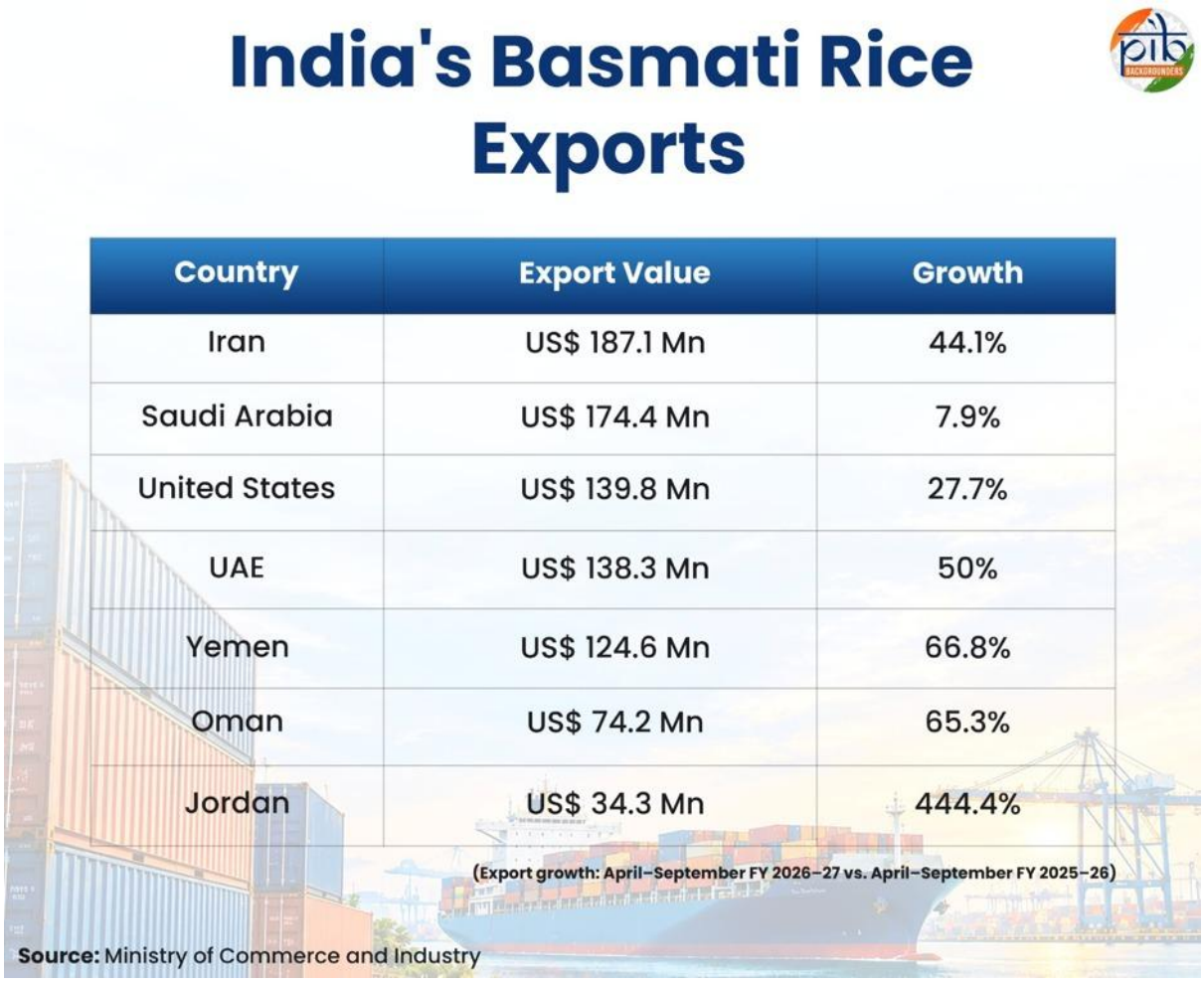
बासमती चावल का एक्सपोर्ट 25% बढ़कर US$ 1.60 बिलियन हुआ

बासमती चावल के निर्यात में लगभग **25.4 प्रतिशत** की वृद्धि दर्ज की गई। यह वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान 1.28 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 की इसी अवधि में **1.60 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया। यह वृद्धि पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका और अन्य क्षेत्रों के कई महत्वपूर्ण बाजारों में दर्ज की गई।

- **ईरान** रिपोर्ट किए गए बाजारों में सबसे बड़ा गंतव्य बनकर उभरा। यहां निर्यात में **44.1 प्रतिशत** की वृद्धि हुई और यह 129.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **187.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **सऊदी अरब** में निर्यात में **7.9 प्रतिशत** की वृद्धि दर्ज की गई। यह 161.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **174.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका** में निर्यात में **27.7 प्रतिशत** की वृद्धि हुई। यहां निर्यात 109.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **139.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)** में निर्यात में **50 प्रतिशत से अधिक** की वृद्धि दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान निर्यात बढ़कर **138.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर** पहुंच गया।

- **यमन** में निर्यात में **66.8 प्रतिशत** की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह 74.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **124.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **ओमान** में भी निर्यात में **65.3 प्रतिशत** की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। यहां निर्यात 44.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **74.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- छोटे बाजारों में **जॉर्डन** में निर्यात में 444.4 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई। यहां निर्यात पांच गुना से अधिक बढ़कर 6.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर से **34.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।

कनाडा, कतर, नेपाल, मॉरीशस और इटली सहित अन्य बाजारों में भी इस अवधि के दौरान बासमती चावल के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई। यह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय बासमती चावल के बढ़ते भौगोलिक विस्तार को दर्शाता है।



प्रसंस्कृत आलू का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 179.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर हुआ

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान **तैयार या संरक्षित जमे हुए आलू** के निर्यात में **20.8 प्रतिशत** की वृद्धि दर्ज की गई। यह निर्यात 148.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **179.4**

मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई बाजारों में विशेष रूप से निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई।

- **फिलीपींस** निर्यात का प्रमुख गंतव्य बना रहा। यहां निर्यात बढ़कर **36.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर** पहुंच गया। इसके बाद **सऊदी अरब** का स्थान रहा, जहां निर्यात **24.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर** दर्ज किया गया।
- **इंडोनेशिया** में निर्यात में 75 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। यह 7.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **13.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **जापान** में निर्यात में 112.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यहां निर्यात दोगुने से अधिक बढ़कर 6.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर से **13.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **ओमान** और **ऑस्ट्रेलिया** में भी निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। ओमान को निर्यात बढ़कर **9.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़कर **6.0 मिलियन अमेरिकी डॉलर** पहुंच गया। इसमें 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।
- **दक्षिण कोरिया** में निर्यात में लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह 1.0 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर लगभग **2.0 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **चीन** में निर्यात में 160 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यहां निर्यात 0.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।



पीले डेंट कॉर्न के निर्यात में 1,156 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई

येलो डेंट मक्का के निर्यात में लगभग 1,156% की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि के 9.78 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 की इसी अवधि

में 122.82 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। यह तेज़ उछाल कई एशियाई बाज़ारों में भेजी जाने वाली खेप में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी के कारण आया।

- **वियतनाम** सबसे बड़े निर्यात गंतव्य (डेस्टिनेशन) के रूप में उभरा, जहाँ निर्यात लगभग 3,49,600% बढ़कर 0.02 मिलियन अमेरिकी डॉलर से 69.94 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो असाधारण वृद्धि को दर्शाता है।
- **बांग्लादेश** में 30.84 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात दर्ज किया गया।
- वहीं, **फिलीपींस** एक अन्य महत्वपूर्ण बाज़ार बनकर उभरा, जहाँ इस अवधि के दौरान निर्यात 8.55 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।
- **संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** ने लगभग 3,867% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जहाँ निर्यात 0.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7.14 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- **मलेशिया** में भी लगभग 903% की मज़बूत वृद्धि देखी गई, जहाँ भेजी जाने वाली खेप 0.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 3.41 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।



विविधीकरण से मज़बूत हुई भारत की कृषि निर्यात की कहानी

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान भारत का कृषि निर्यात प्रदर्शन चुनिंदा पारंपरिक मुख्य खाद्य पदार्थों और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों में हुई वृद्धि को दर्शाता है। बासमती चावल के निर्यात में पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका और अन्य बाज़ारों में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि प्रसंस्कृत आलू ने पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़त हासिल की।

येलो डेंट मक्का ने भी इस विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसका निर्यात वियतनाम, बांग्लादेश, फिलीपींस और अन्य गंतव्यों को तेज़ी से बढ़ा है। इन बाज़ारों में भेजी जाने वाली खेप में यह वृद्धि भारत के कृषि निर्यात के बढ़ते भौगोलिक विविधीकरण को उजागर करती है।

स्थापित और उभरते बाज़ारों में यह वृद्धि भारतीय कृषि जिंसों और मूल्यवर्धित प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार आधार को प्रदर्शित करती है।

संदर्भ

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

पीआईबी अनुसंधान

पीके/केसी/आरटी/वीएस